चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
TIMES OF INDIA	01.07.2020	07	01

Online training of Afghan scientists

Hisar: Scientists from Afghanistan completed a training workshop conducted online by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar. More than 70 participants learnt about use of advance statistical tools and techniques for analysis of research data. The training was conducted in collaboration with Noor, chief of USAID/ CAAI program and Jessica Agnew of Virginia Tech University, US.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	01.07.2020	03	03-05

इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

रिसर्च में सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर दिया बल

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का मंगलवार को संमापन हो गया।

इसमें यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन शामिल हुए। ऑनलाइन आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रिसर्च डाटा का विश्लेषण करने के उन्नत सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों व उनकी प्रयोगात्मक डिजाइनिंग से रूबरू करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान रिसर्च में एचएयू द्वारा विकसित रिसर्च सॉफ्टवेयर का संपूर्ण विवरण देते हुए इसके विभिन्न पर्यावरणीय स्थितियों और रिसर्च में प्रयोग पर बल दिया।

प्रतिभागियों को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	01.07.2020	04	04-05

कृषि उत्पादन बढ़ाने में भौतिक विज्ञान की भूमिका अहम : प्रो. केपी सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है, जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि भौतिकी, मृदा भौतिकी और फसल शरीर विज्ञान में भौतिकी की भूमिका सराहनीय है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने व्यक्त किए। कुलपति मंगलवार को भौतिकी में 'उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। वेबिनार का कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटिज के भौतिकी विज्ञान विभाग ने करवाया। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य में सुधार और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण में इसकी उपयोगिता के लिए कृषि में भौतिकी की भी प्रासंगिकता पर भी बल दिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 650 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 300 से अधिक शामिल हुए थे। इस दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इसका यू ट्यूब पर भी सीधा प्रसारण किया गया जोकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुना और देखा गया। इस वेबिनार में चार राष्ट्रीय और तीन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में शोध कार्यों का उल्लेख किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	01.07.2020	01	08

एचएयू के कार्यालय आज से सुबह 9 से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे

हिसार| एचएयू के कार्यालय एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे। एचएयू के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि एक जुलाई से विवि के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 से दोपहर 1:30 बजे तक होगा। यह समय सारणी 31 जुलाई तक प्रभावी रहेगी। उक्त निर्णय कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया है। फिलहाल एचएयू में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही विवि के कर्मचारियों के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुलेगा और बाहर जाने के लिए दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	01.07.2020	03	02-04

नैनो पार्टिकल से बना सकते हैं ऊर्जा के स्रोत

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भौतिकी में उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित हुआ। इसमें आइआइटी रुड़की से प्रो. रमेश चंद्रा बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। उन्होंने नैनो पदार्थों के प्रयोग से गैस सेंसरस बनाने के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दिन प्रतिदिन ऊर्जा के अनवीनीकरण स्त्रोतों का अत्यधिक दोहन से उनकी कमी होती जा रही है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए नए स्त्रोतों की खोज करें। हमें ऊर्जा भण्डारण के तरीकों पर ध्यान देना होगा। वेबिनार में एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में भौतिकी की भूमिका बहुत ही सराहनीय है।

वेबिनार में इन विज्ञानियों ने लिया भाग

- वेबिनार में एनआइटीटीआर चण्डीगढ़ से डा. अशोक कुमार व आइकेजीपीटीयू, कपूरथला से डा. विरेन्द्रजीत सिंह ने नैनो प्रोद्योगिकी और न्यूक्लियर सांइस के प्रयोग से कृषि क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाने और किसानों के कार्यों को आसान करने के तरीकों पर बल दिया।
- एनआइटी कुरूक्षेत्र से सहायक प्रोफेसर डा. अनुराग गौड़ ने बताया कि ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए सुपर कैपसिटर फायदेमंद हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के अवशेषों से इलेक्ट्रान निकाल कर उपयोग में लाया जा सकता है।
- आइआइटी रुड़की से डा. विवेक कुमार मलिक ने चुंबकीय पदार्थों और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में भूमिका पर प्रकाश डाला।
- बांगोर विश्वविद्यालय, वेल्स, यूके से वैज्ञानिक डा. राकेश धामा ने नवीनतम ज्वलंत मुद्दों जैसे ऑप्टिकल नुकसान व निर्माण के शमन पर बात की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	01.07.2020	02	06

4 जुलाई को हो सकती है प्रदेश में बारिश, तब तक गर्मी से राहत नहीं

जासं, हिसार : मानसून की हवाएं कमजोर पड़ने से लोगों का गर्मी से बुरा हाल हो गया है। मंगलवार को हिसार में दिन का तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों की मानें तो 4 जुलाई के बाद बारिश होने की संभावना बन रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खीचड़ ने बताया कि 3 जुलाई तक राज्य में मानसूनी हवा कमजोर रहने की संभावना से मौसम परिवर्तनशील रहेगा। साथ ही बीच-बीच में आंशिक बादल छाने, हवा चलने व कुछ एक स्थानों पर बूंदाबांदी की संभावना है।

दक्षिण पश्चिमी मानसूनी हवाओं का टर्फ हिमालय की तलहटी व उत्तर पूर्व व पूर्वोत्तर भागों की तरफ चले जाने से उत्तरी भारत में विशेषकर राज्य में मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाने से राज्य में मौसम गर्म तथा तापमान सामान्य से अधिक हो गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	01.07.2020	11	01-04

इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण

रिसर्च में सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें

- हकृवि में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समापन, शिविर में आनॅलाइन 71 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हकृवि द्वारा कुलपति प्रो. केपी सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इंडो-यूएस-अफगानिस्तान दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समापन हो गया है। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रिसर्च डाटा का विश्लेषण करने के उन्नत सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों व उनकी प्रयोगात्मक डिजाइनिंग से रूबरू करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान रिसर्च में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित रिसर्च सॉफ्टवेयर का संपूर्ण विवरण देते हुए इसके विभिन्न पर्यावरणीय स्थितियों और रिसर्च में प्रयोग पर बल दिया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रोफेसर ओपी श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा सीखी गई तकनीक बहुत ही उपयोगी साबित होंगी और भविष्य में छात्रों को रिसर्च डाटा के विश्लेषण के दौरान चुनौतियों का सामना करने में मददगार साबित होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	01.07.2020	11	07-08

उत्पादन बढ़ाने में भौतिक विज्ञान की भूमिका अहम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

■ भौतिकी में उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि भौतिकी, मृदा भौतिकी और फसल शरीर विज्ञान में भौतिकी की भूमिका बहुत ही सराहनीय है। उक्त विचार हकृवि कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने व्यक्त किए। वे भौतिकी में उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटिज के भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान का हर क्षेत्र में ही महत्वपूर्ण रोल है परन्तु कृषि क्षेत्र में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य में सुधार और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण में इसकी उपयोगिता के लिए कृषि में भौतिकी की भी प्रासंगिकता पर भी बल दिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 650 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 300 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए थे। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस आयोजन का यूटयूब पर भी सीधा प्रसारण किया गया जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुना और देखा गया। इस वेबिनार में चार राष्ट्रीय और तीन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में शोध कार्यों का उल्लेख किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व मौलिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने भौतिकी विभाग के इस आयोजन की सराहना की। वेबिनार का संचालन डॉ. रीता दहिया ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईआईटी रुड़की से प्रो. रमेश चंद्रा थे।

उन्होंने नैनो पदार्थों के प्रयोग से गैस सेंसरस बनाने के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दिन प्रतिदिन ऊर्जा के अनवीनीकरण स्त्रोतों का अत्यधिक दोहन से उनकी कमी होती जा रही है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए नए स्त्रोतों की खोज करें।

एनआईटीटीआर चंडीगढ़ से डॉ. अशोक कुमार व ओकेजीपीटीयू कपूरथला से डॉ. विरेन्द्रजीत सिंह ने नैनो प्रोद्योगिकी और न्यूक्लियर सांइस के प्रयोग से कृषि क्षेत्र में सुविधाएँ बढ़ाने और किसानों के कार्यों को आसान करने के तरीकों पर बल दिया। एनआईटी कुरूक्षेत्र से सहायक प्रोफेसर डॉ.अनुराग गौड़ ने बताया कि ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए सुपर कैपसिटर फायदेमंद हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के अवशेषों से इलेक्ट्रान निकाल कर उपयोग में लाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	01.07.2020	09	01

आज से 1:30 बजे तक खुलेंगे हकृवि कार्यालय

हिसार। हकृवि के कार्यालय एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे। विवि कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि एक जुलाई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 से दोपहर 1:30 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि यह समय सारणी 31 जुलाई 2020 तक प्रभावी रहेगी। यह निर्णय कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना के मद्देनजर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुलेगा और बाहर जाने के लिए दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय कर्मचारियों को अपना पहचान पत्र तथा वाहन का गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	01.07.2020	03	03-05

रिसर्च में सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर दिया बल

हकृवि में इंडो-यू.एस.-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 30 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इन्डो-यू.एस-अफगानिस्तान दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समापन हो गया है। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया।

इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से 20 सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रिसर्च डाटा का विश्लेषण करने के उन्नत सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों

कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह वेबिनार मे शामिल प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए।

व उनकी प्रयोगात्मक डिजाइनिंग से रूबरू करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान रिसर्च में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित रिसर्च सॉफ्टवैयर का संपूर्ण विवरण देते हुए इसके विभिन्न पर्यावरणीय स्थितियों और रिसर्च में प्रयोग पर बल दिया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा सीखी गई तकनीकबहुत ही उपयोगी साबित होंगी और भविष्य में छात्रों को रिसर्च डाटा के विश्लेषण के दौरान चुनौतियों का सामना करने में मददगार साबित होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	01.07.2020	03	01

आज से बदलेगा हकृवि का टाइम टेबल

हिसार, 30 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि एक जुलाई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि यह समय सारणी 31 जुलाई तक प्रभावी रहेगी। उक्त निर्णय कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही केवल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की सुविधा के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रात: 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुलेगा और बाहर जाने के लिए दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय कर्मचारियों को अपना पहचान पत्र व वाहन का गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। वहीं आगामी आदेश तक विश्वविद्यालय में नियमित कक्षाएं नहीं लगेंगी, लेकिन पठन-पाठन का कार्य ऑनलाइन माध्यम से जारी रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	01.07.2020	04	05-06

आने वाली पीढ़ी के लिए ऊर्जा के नए स्त्रोतों की खोज करें : प्रो. चंद्रा

बेसिक साइंस कॉलेज के भौतिकी विज्ञान विभाग की वेबिनार आयोजित

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बेसिक साइंस कॉलेज के भौतिकी विज्ञान विभाग की तरफ से भौतिकी में उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईआईटी रुड़की से प्रो. रमेश चंद्रा ने कहा कि दिन प्रतिदिन ऊर्जा के अनवीनीकरण स्त्रोतों का अत्यधिक दोहन से उनकी कमी होती जा रही है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए नए स्त्रोतों की खोज करें। एनआईटी कुरूक्षेत्र से सहायक प्रोफेसर डॉ. अनुराग गौड़ ने बताया कि कृषि के अवशेषों से इलेक्ट्रान निकाल कर उपयोग में लाया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्पन्न : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इंडो-यूएस-अफगानिस्तान दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का समापन हो गया है। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रिसर्च डाटा का विश्लेषण करने के उन्नत सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों व उनकी प्रयोगात्मक डिजाइनिंग से रूबरू करवाया गया।

आज से 1:30 बजे तक खुले रहेंगे एचएयू के कार्यालय : एचएयू के कार्यालय एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे। विवि के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि एक जुलाई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	01.07.2020	03	05

'रिसर्च में सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर बल'

हिसार, 30 जून (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया। इसका आयोजन यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया,

■ इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण

जिसमें अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से 22, हैरात प्रांत से 15 और कंधार प्रांत से 20 सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रिसर्च डाटा का विश्लेषण करने के उन्नत सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों व उनकी प्रयोगात्मक डिजाइनिंग से रूबरू करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान रिसर्च में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित रिसर्च सॉफ्टवेयर का संपूर्ण विवरण और रिसर्च में प्रयोग पर बल दिया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	30.06.2020	--	--

हकृवि में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्पन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समापन हो गया है। इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजैक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रिसर्च डाटा का विश्लेषण करने के उन्नत सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों व उनकी प्रयोगात्मक डिजाइनिंग से रूबरू करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान रिसर्च में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित रिसर्च सॉफ्टवेयर का संपूर्ण विवरण देते हुए इसके विभिन्न पर्यावरणीय स्थितियों और रिसर्च में

हिसार। कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह वेबिनार मे शामिल प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए।

प्रयोग पर बल दिया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा सीखी गई तकनीकबहुत ही उपयोगी साबित होंगी और भविष्य में छात्रों को रिसर्च डाटा के विश्लेषण के दौरान चुनौतियों का सामना करने में मददगार साबित होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	30.06.2020	--	--

कृषि उत्पादन बढ़ाने में भौतिक विज्ञान की भूमिका सराहनीय : प्रो. के.पी. सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि भौतिकी, मृदा भौतिकी और फसल शरीर विज्ञान में भौतिकी की भूमिका बहुत ही सराहनीय है। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने व्यक्त किए। वे भौतिकी में 'उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटिज के भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था।उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान का हर क्षेत्र में ही महत्वपूर्ण रोल है परन्तु कृषि क्षेत्र में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य में सुधार और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण में इसकी उपयोगिता के लिए कृषि में भौतिकी की भी प्रासंगिकता पर भी बल दिया।

हकृवि में भौतिकी में उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 650 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 300 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए थे। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस आयोजन का यूट्यूब पर भी सीधा प्रसारण किया गया जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुना और देखा गया । इस वेबिनार में चार राष्ट्रीय और तीन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में शोध कार्यों का उल्लेख किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व मौलिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने भौतिकी विभाग के इस आयोजन की सराहना की। वेबिनार का संचालन डॉ. रीता दहिया ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	30.06.2020	--	--

एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे हकृवि के कार्यालय

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि एक जुलाई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि यह समय सारणी 31 जुलाई 2020 तक प्रभावी रहेगी। उक्त निर्णय कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रातः 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुलेगा और बाहर जाने के लिए दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय कर्मचारियों को अपना पहचान पत्र व वाहन का गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। हालांकि आगामी आदेश तक विश्वविद्यालय में नियमित कक्षाएं नहीं लगेंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	30.06.2020	--	--

एचएयू की ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता में रेनु ने जीता प्रथम पुरस्कार

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 30 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में 'नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर एक ऑनलाइन स्लोगन और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा किया गया था। उन्होंने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता के लिए 'नशीली दवाओं का दुरुपयोग और ज्ञान के माध्यम से रोकथाम' विषय था, जिसमें पहला पुरस्कार कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा रेनु देवी ने, दूसरा पुरस्कार कृषि महाविद्यालय, कौल से अमित और तीसरा पुरस्कार कृषि महाविद्यालय, बावल से इशिका द्वारा जीता गया। इसी प्रकार स्लोगन प्रतियोगिता का विषय 'नशीली दवा के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ युवा' था, जिसमें स्लोगन की अंग्रेजी श्रेणी में आई.सी. कॉलेज ऑफ होम साइंस, हिसार की छात्रा आस्था ने प्रथम पुरस्कार व इसी कॉलेज की प्रतिभा ने दूसरा और कृषि महाविद्यालय, हिसार के छात्र दीपक ने तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। स्लोगन की हिन्दी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार आई.सी. कॉलेज ऑफ होम साइंस, हिसार की छात्रा आरती, दूसरा पुरस्कार कृषि महाविद्यालय, कौल की छात्रा गुन्जन शर्मा व तीसरा पुरस्कार कृषि महाविद्यालय, हिसार के छात्र अक्षय मेहता ने हासिल किया। छात्र कल्याण निदेशक ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्षा डॉ. अपर्णा और राष्ट्रीय सेवा योजना के नोडल अधिकारी डॉ. भगत सिंह के सहयोग से किया गया। इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में भिवानी, हिसार, करनाल, पानीपत, रेवाड़ी, रोहतक, सिरसा, महेंद्रगढ़, और यमुनानगर से विश्वविद्यालय के कुल 36 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने जिसमें (11 छात्र और 14 छात्राओं) ने अपनी प्रविष्टियां भेजीं। इन प्रतियोगिताओं का परिणाम निर्णायक मंडल ने अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और विशिष्टता के आधार पर किया। साहित्य और डिबेटिंग सोसाइटी के सचिव डॉ. राजेश काथवाल द्वारा मूल्यांकन और ऑनलाइन गूगल फॉर्म निर्माण किया गया, जबकि डॉ. भगत सिंह दहिया ने इस प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी को व्हाट्सएप ग्रुप और ईमेल के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों तक प्रेषित किया गया। डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने विजेताओं को बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजकों का भी धन्यवाद किया और भविष्य में ऐसी प्रतियोगिताएं नियमित रूप से आयोजित करने का आहवान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति	30.06.2020	--	--

कृषि उत्पादन बढ़ाने में भौतिक विज्ञान की भूमिका सराहनीय : कुलपति

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि भौतिकी, मृदा भौतिकी और फसल शरीर विज्ञान में भौतिकी की भूमिका बहुत ही सराहनीय है। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने व्यक्त किए। वे भौतिकी में 'उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटिज के भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था।

उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान का हर क्षेत्र में ही महत्वपूर्ण रोल है परन्तु कृषि क्षेत्र में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य में सुधार और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण में इसकी उपयोगिता के लिए कृषि में भौतिकी की भी प्रासंगिकता पर भी बल दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 650 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 300 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए थे।

वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस आयोजन का यूटयूब पर भी सीधा प्रसारण किया गया जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुना और देखा गया । इस वेबिनार में चार राष्ट्रीय और तीन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में शोध कार्यों का उल्लेख किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व मौलिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने भौतिकी विभाग के इस आयोजन की सराहना की। वेबिनार का संचालन डॉ. रीता दहिया ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईआईटी रुडकी से प्रोफेसर रमेश चंद्रा थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति	30.06.2020	--	--

कल से दोपहर 1.30 बजे तक खुले रहेंगे हकृवि के कार्यालय

हिसार (नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक जुलाई से दोपहर 1.30 बजे तक खुले रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि एक जुलाई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि यह समय सारणी 31 जुलाई 2020 तक प्रभावी रहेगी। उक्त निर्णय कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रात: 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुलेगा और बाहर जाने के लिए दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय कर्मचारियों को अपना पहचान पत्र व वाहन का गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	30.06.2020	--	--

कृषि उत्पादन बढ़ाने में भौतिक विज्ञान की भूमिका सराहनीय : कुलपति

हिसार/30 जून/रिपोर्टर

ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि भौतिकी, मृदा भौतिकी और फसल शरीर विज्ञान में भौतिकी की भूमिका बहुत ही सराहनीय है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने भौतिकी में 'उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। वेबिनार का आयोजन कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटिज के भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था।उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान का हर क्षेत्र में ही महत्वपूर्ण रोल है परन्तु कृषि क्षेत्र में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य में सुधार और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण में इसकी उपयोगिता के लिए कृषि में भौतिकी की भी प्रासंगिकता पर भी बल दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने बताया कि इस वेबिनार में चार राष्ट्रीय और तीन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में शोध कार्यों का उल्लेख किया। वेबिनार का संचालन डॉ. रीता दहिया ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईआईटी रुड़की से प्रोफेसर रमेश चंद्रा ने नैनो पदार्थों के प्रयोग से गैस सेंसरस बनाने के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दिन प्रतिदिन ऊर्जा के अनवीनीकरण स्त्रोतों के अत्यधिक दोहन से उनकी कमी होती जा रही है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए नए स्त्रोतों की खोज करें। उन्होंने ऊर्जा भण्डारण के तरीकों पर भी जोर दिया। एनआईटीटीआर चण्डीगढ़ से डॉ. अशोक कुमार व आईकेजीपीटीयू, कपूरथला से डॉ. विरेन्द्रजीत सिंह ने नैनो प्रोद्योगिकी और न्यूक्लियर सांइस के प्रयोग से कृषि क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाने और किसानों के कार्यों को आसान करने के तरीकों पर बल दिया। एनआईटी कुरूक्षेत्र से सहायक प्रोफेसर डॉ.अनुराग गौड़ ने बताया कि ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए सुपर कैपसिटर फायदेमंद हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के अवशेषों से इलेक्ट्रान निकाल कर उपयोग में लाया जा सकता है। आईआईटी रूड़की से डॉ. विवेक कुमार मलिक ने चुंबकीय पदार्थों और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में भूमिका पर प्रकाश डाला। बांगोर विश्वविद्यालय, वेल्स, यूके से वैज्ञानिक डॉ. राकेश धामा ने नवीनतम ज्वलंत मुद्दों जैसे ऑप्टिकल नुकसान व निर्माण के शमन पर बात की। उन्होंने कहा कि धान के अवशेषों का पर्यावरण पर विपरीत असर पड़ रहा है। ऐसे में धान के अवशेषों से कुछ बेहतर तरीके से उपयोग के लिए अनुसंधान करने की जरूरत है। वेबिनार के सचिव एवं विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार ने अंत में सभी का वेबिनार में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।ल श्योराण को इंसीडेंट कमांडर नियुक्त किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	30.06.2020	--	--

हकृवि कार्यालय समय सारणी में कल से बदलाव

हिसार/30 जून/रिपोर्टर

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि एक जुलाई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि यह समय सारणी 31 जुलाई 2020 तक प्रभावी रहेगी। उक्त निर्णय कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रात: 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुलेगा और बाहर जाने के लिए दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय कर्मचारियों को अपना पहचान पत्र व वाहन का गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	30.06.2020	---	---

कृषि उत्पादन बढ़ाने में भौतिक विज्ञान की भूमिका सराहनीय : प्रो. केपी सिंह

SHARE 0

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में भौतिकी में उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

हिसार,

ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि भौतिकी, मृदा भौतिकी और फसल शरीर विज्ञान में भौतिकी की भूमिका बहुत ही सराहनीय है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने भौतिकी में 'उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कही। वेबिनार का आयोजन कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटिज के भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान का हर क्षेत्र में ही महत्वपूर्ण रोल है परन्तु कृषि क्षेत्र में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य में सुधार और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण में इसकी उपयोगिता के लिए कृषि में भौतिकी की भी प्रासंगिकता पर भी बल दिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 650 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 300 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए थे। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस आयोजन का यूट्यूब पर भी सीधा प्रसारण किया गया जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुना और देखा गया। इस वेबिनार में चार राष्ट्रीय और तीन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में शोध कार्यों का उल्लेख किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व मौलिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने भौतिकी विभाग के इस आयोजन की सराहना की। वेबिनार का संचालन डॉ. रीता दहिया ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईआईटी रुड़की से प्रोफेसर रमेश चंद्रा थे। उन्होंने नैनो पदार्थों के प्रयोग से गैस सेंसरस बनाने के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दिन प्रतिदिन ऊर्जा के अनवीनीकरण स्त्रोतों का अत्यधिक दोहन से उनकी कमी होती जा रही है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम आने वाली पीढ़ी के लिए नए स्त्रोतों की खोज करें। उन्होंने ऊर्जा भण्डारण के तरीकों पर भी जोर दिया। एनआईटीटीआर चण्डीगढ से डॉ. अशोक कुमार व आईकेजीपीटीयू, कपूरथला से डॉ. विरेन्द्रजीत सिंह ने नैनो प्रोद्योगिकी और न्यूक्लियर सांइस के प्रयोग से कृषि क्षेत्र में सुविधाएं बढाने और किसानों के कार्यों को आसान करने के तरीकों पर बल दिया। एनआईटी कुरूक्षेत्र से सहायक प्रोफेसर डॉ.अनुराग गौड़ ने बताया कि ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए सुपर कैपसिटर फायदेमंद हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के अवशेषों से इलेक्ट्रान निकाल कर उपयोग में लाया जा सकता है। आईआईटी रुडकी से डॉ. विवेक कुमार मलिक ने चुंबकीय पदार्थों और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में भूमिका पर प्रकाश डाला। बांगोर विश्वविद्यालय, वेल्स, यूके से वैज्ञानिक डॉ. राकेश धामा ने नवीनतम ज्वलंत मुद्दों जैसे ऑप्टिकल नुकसान व निर्माण के शमन पर बात की। उन्होंने कहा कि धान के अवशेषों का पर्यावरण पर विपरीत असर पड़ रहा है। ऐसे में धान के अवशेषों से कुछ बेहतर तरीके से उपयोग के लिए अनुसंधान करने की जरूरत है। वेबिनार के सचिव एवं विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार ने अंत में सभी का वेबिनार में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	**30.06.2020**	---	---

एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय

SHARE 0

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक जुलाई से दोपहर 1:30 बजे तक खुले रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि एक जुलाई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि यह समय सारणी 31 जुलाई तक प्रभावी रहेगी। उक्त निर्णय कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करते हुए लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए गेट नंबर चार भी खुलेगा जो प्रवेश के लिए प्रात: 8 बजकर 45 मिनट से 9 बजकर 15 मिनट तक खुलेगा और बाहर जाने के लिए दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से दोपहर 2 बजे तक खुला रहेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय कर्मचारियों को अपना पहचान पत्र व वाहन का गेट पास दिखाना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान कोविड-19 को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। हालांकि आगामी आदेश तक विश्वविद्यालय में नियमित कक्षाएं नहीं लगेंगी।